

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 211 मोबाइल स्वास्थ्य टीमों को रहीं बच्चों के स्वास्थ्य की जांच

वेदपल चंडीगढ़ (जगमार्ग व्यूरो)। अब नवजात शिशुओं के दिल को धड़कन नहीं रुकेगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के जरिये बच्चों के दिल को धड़कन रस्ता को जांच रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एचएनएम) हरियाणा अब तक 3360 ऐसे बच्चों को सर्जरी करावा चुका है, जिन्हें दिल को धड़कन में दिक्कत सहित संस व हृदय रोग से पीड़ित थे।

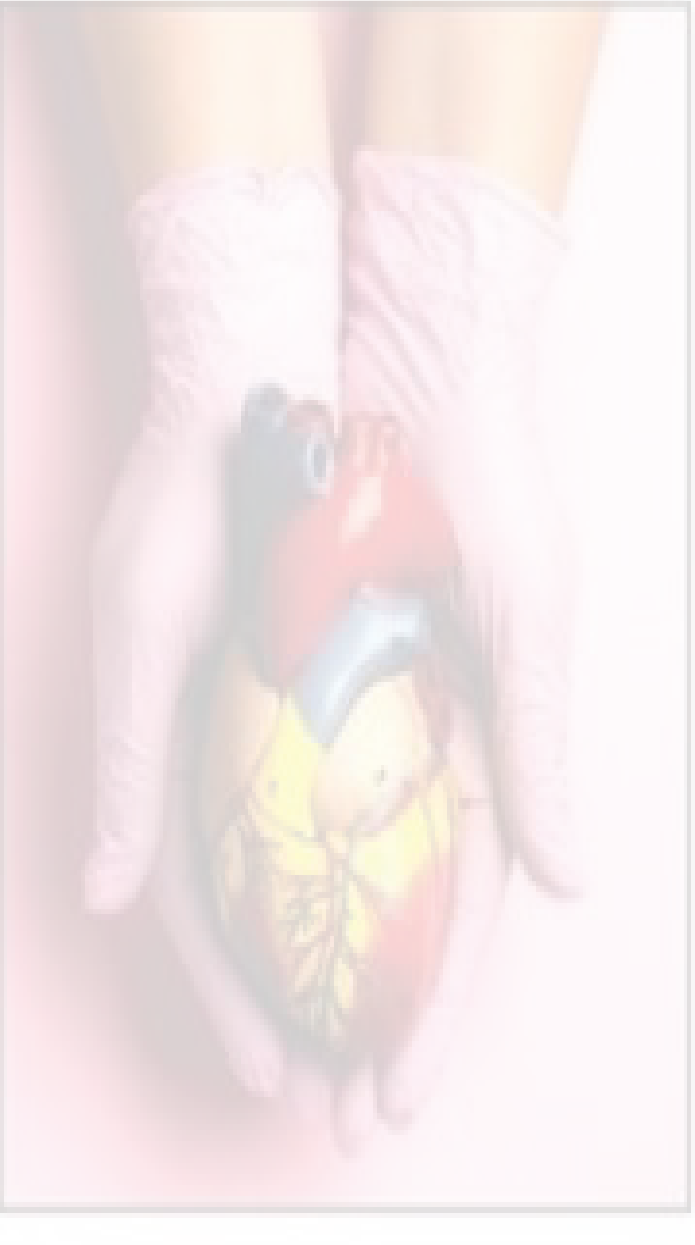
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत प्रदेश भर में हर वर्ष 35 से 40 लाख बच्चों को स्क्रीनिंग की जाती है। इसको लेकर 211 स्वास्थ्य मोबाइल टीमों तैनात की गई हैं, जोकि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में नवजात शिशु से लेकर 18 साल के आयु वर्ग तक फोर-डी के तहत डिफेंड एट बर्थ, डिफिशिएंसी, डिमोन, डेवलपमेंट डिफेंड इन्वोलुटिंग डिमफुंक्लिटी को जांच कर रही हैं। मोबाइल टीमों आंगनबाड़ी से लेकर स्कूलों में पहुंचने वाले बच्चों में 9 बीमारियों को जांच करती हैं। इनमें प्रमुख रूप से फोर-डी शामिल हैं, जो बच्चों में सबसे ज्यादा पाए जाते हैं।

आज हमें बच्चों के बच्चे

- 7.6 प्रतिशत बच्चों बहरेपन के लिए
- बच्चों की स्क्रीनिंग सिविल सर्जन

प्रतिबिधि, वि

श्रवण हानि किसी शैक्षिक और आर्थिक भारी प्रभाव डालती है। शिशुओं में से लगभग होते हैं जिन्हें सुनने में मानव तंत्रिका तंत्र में प्लास्टासिटी होती है। इसलिए श्रवण बाधित व्यक्तियों में भाषण और भाषा विकृति पैदा करने से श्रवण संबंधी कमी को रोकने के लिए जल्द से जल्द हस्तक्षेप शुरू किया जाना चाहिए। बाल विकास के प्रारंभिक चरण में घापी और भाषा का विकास होता है, लेकिन नियमित जांच कार्यक्रम के अभाव के कारण कई बच्चे 3-4 साल की उम्र तक निदान नहीं कर पाते और शुरुआती स्वर्णिम अवधि के लाभों को खो देते हैं। यह स्वास्थ्य प्रदाता हैं जिन्हें खतरों को रोकने के लिए निदान करने और समय पर हस्तक्षेप करने के

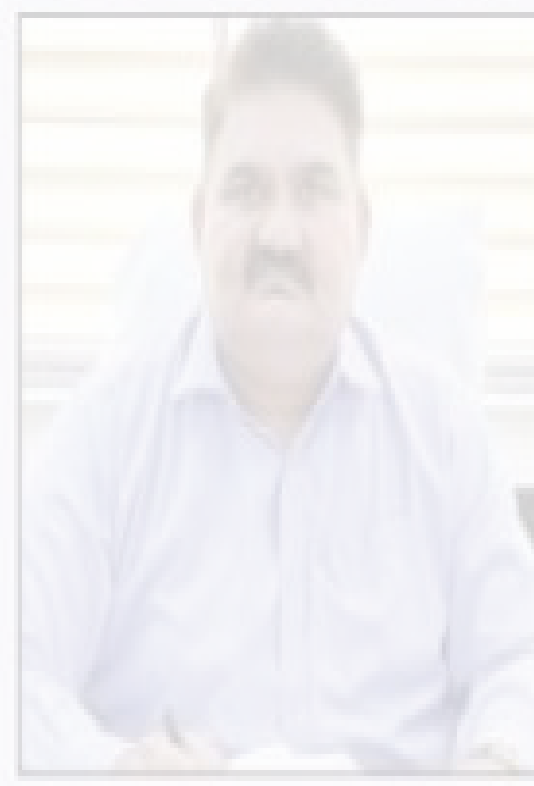


735 बच्चों को दिया गया स्वास्थ्य स्थितियों के आधार पर लाभ

प्रदेश भर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य मिशन के तहत सरकारी और प्राइवेट अस्पताल पैदा है, जहां पर फोर-डी से धिक्क बच्चों को निशुल्क इलाज किया जाता है। एनएचएम हरियाणा की ओर से 1034 बच्चों को प्राइवेट अस्पतालों (सीएचडी, मीरियाबंद, ऑर्टिस्टिस मीरिया, एलए पर, कच्छे का विभागाध्यक्ष विभागीय

21 अर्ली इंटरवेंशन सेंटर में फोर-डी चेकअप की सुविधा

एनएचएम निदेशक डॉ. सुदीप का कहना है कि हर साल करीब 35 से 40 लाख बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाती है। एनएचएम हरियाणा की ओर से प्रदेश भर में 21 मोबाइल स्वास्थ्य टीमों गठित की गई हैं, जो बच्चों में निर्धारित की गई बीमारियों को पहचान करती हैं। टीम में प्रमुख रूप से टी बीएमएस डॉक्टर, एक फार्मासिट और एक एनएचएम शामिल होते हैं। आरबीएसके द्वारा चिन्हित की गई बीमारियों के तबान मिलने पर प्रदेश के 21 अर्ली इंटरवेंशन सेंटरों में इलाज और देखभाल प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही इसे



जुली व शिवम के दिल का हुआ इलाज

भारत न्यूज

सदर प्रखंड प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सर प्रखंड अंतर्गत बच्चों नरुअर गंग के शिव चौधरी व पुत्री देवी के 2 वर्षीय शिवम कुमार, गौरी शंकर गौड़ व ज्योति देवी के 10 वर्षीय पुत्री जुनी कुमारी के दिल का



जुनी कुमारी को कठिन चलती थी तो बच्चे का बेटे ज्योति भी। जिसमें बच्चों के दिल के बीमारी का पता चल गया। तब हमारी टीम ने इन दोनों बच्चों के अंतिमपरीक्षणों को सर प्रखंड प्रथमिक पर कूलकर आरबीएसके का बार्ड बन कर दिया और एचएनएम आरबीएसके के डॉक्टरों के सहित 0 से 18 वर्ष के बच्चों को निशुल्क ले कर एचएनएम में पहुंचे जहां बच्चे और उनके बच्चे के सकारों खर्च पर ले जाया गया है। ऑपरेशन के लिए आरबीएसके के जिला कोऑर्डिनेटर डॉ. किशोर अग्रवाल ने अग्र भूमिका निभाई।

Launch of National Birth Defects Awareness Month 2024

01 March 2024 | New Delhi

पटना में हुआ सफल ऑपरेशन

प्रखंड के ललित कुमार सिंह के पुत्री वंशिका प्रिया का दिल में छेद का सफल ऑपरेशन किया गया। क्या है आरबीएसके योजना : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ. कमलेश कुमार शर्मा ने बताया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विभिन्न रोग से ग्रसित 0 से 18 साल के बच्चों के दिलों इलाज की व्यवस्था है। इस योजना के तहत कुल पैतालिस प्रकार रोगों का निशुल्क इलाज कराया जाता है। इस कार्यक्रम से हृदय में छेद सहित विभिन्न तरह के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम है। रोगग्रस्त बच्चों को पहले विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जल्द जांच की जाती है। फिर लत यादव के फुलपराम मार के पुत्र कुमारी राम, जल्द जांच पर उन्हें बेहतर चिकित्सा संस्थान भेजा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में आने वाला खर्च सरकार वहन करती है। इस प्रतीक राज, लखनौर प्रखंड के राजकुमार राम के पुत्र शिवम राज एवं राजनगर

सी पटना में हुआ सफल ऑपरेशन

प्रखंड के ललित कुमार सिंह के पुत्री वंशिका प्रिया का दिल में छेद का सफल ऑपरेशन किया गया। क्या है आरबीएसके योजना : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ. कमलेश कुमार शर्मा ने बताया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विभिन्न रोग से ग्रसित 0 से 18 साल के बच्चों के दिलों इलाज की व्यवस्था है। इस योजना के तहत कुल पैतालिस प्रकार रोगों का निशुल्क इलाज कराया जाता है। इस कार्यक्रम से हृदय में छेद सहित विभिन्न तरह के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम है। रोगग्रस्त बच्चों को पहले विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जल्द जांच की जाती है। फिर लत यादव के फुलपराम मार के पुत्र कुमारी राम, जल्द जांच पर उन्हें बेहतर चिकित्सा संस्थान भेजा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में आने वाला खर्च सरकार वहन करती है। इस प्रतीक राज, लखनौर प्रखंड के राजकुमार राम के पुत्र शिवम राज एवं राजनगर

चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय में राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा चयनित संस्था लेंट डॉ एस एन मल्लोत्रा ई.एन.टी फाउंडेशन कानपुर के द्वारा 0-5 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के बहुरापन की स्क्रीनिंग 07 नवम्बर को होगी। सुबह 10 बजे से स्क्रीनिंग की जायेगी। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने बताया कि नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रीवेंशन एंड कंट्रोल आफ डीफनेंस कार्यक्रम के तहत आनुवांशिक अथवा अकवायर्ड बहुरापन से निपटने

विभाग के आरबीएसके टीम द्वारा हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को आवश्यक जांच व इलाज के लिए सर अस्पताल से मो बच्चों एवं उनके परिवारों के साथ उन्नीस जुलाई को पटना आईजीआईसी पटना भेजा गया। जहां बच्चों का इलाज, परामर्श तथा ऑपरेशन के लिए किया जाना था, जिसमें जिले के आठ बच्चों का सफल ऑपरेशन करा दिया गया है। चिन्हित हो कि हृदय में छेद के साथ जन्मे बच्चों को निःशुल्क उपचार सभी बच्चों का इंडिया गांधी हृदय रोग संस्थान में निःशुल्क जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। सभी चिन्हित बच्चों के साथ परिवारों को 102 एंजुलेंस के माध्यम से भेजने व वापस ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।



बच्चों के साथ एक आधुनिक चिकित्सा फार्मासिट को भी भेजा गया। इस बाबत स्थानीय सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार भीमसारीया ने बताया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इन बच्चों का निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया गया है। उन्होंने बताया बच्चों का पटना स्थित इंडिया गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा आयोजित विशेष शिविर के दौरान चिकित्सक रोग को गंभीरता की जांच करते हैं। इस योजना के तहत बच्चों के इलाज तथा परिजन के आने जाने के सभी खर्च सरकार



सर्जरी के बाद मुस्कुरा उठी नन्ही गरिमा

कटे, फटे तालू से पीड़ित बालिका को मिली राहत

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

अब 18 माह की गरिमा के चेहरे पर सामान्य बच्चों की तरह मुस्कुराहट लौट आई है। क्योंकि गरिमा कटे, फटे हुए तालू की वजह से न तो ठीक से भोजन कर पा रही थी और न ही वह मुस्कुरा पा रही थी, जिसका राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला जबलपुर में स्माइल ट्रेन योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार हुआ। जिससे अब उसका कटा व फटा हुआ तालू भी ठीक हो गया।

कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में ग्राम सिलगौर, तहसील बरेला निवासी बालिका गरिमा गोंड पिता सुनील गोंड माता कुशमा को स्माइल ट्रेन योजना के माध्यम से निःशुल्क सफल सर्जरी की गई। जिससे उसे नया जीवन प्रदान हुआ है।

शशि कुसरे की मेहनत लाई रंग

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत टीम को ग्राम स्तर पर कार्यरत आशा शशि कुसरे ने बालिका गरिमा के कटे-फटे तालू से ग्रसित होने की सूचना दी।



जिसके बाद आरबीएसके टीम में पदस्थ डॉ. पंकज गुप्ता और डॉ. रश्मि गुप्ता ने इसकी जानकारी डीई आईएम सुभाष शुक्ला को उपलब्ध कराई। सुभाष शुक्ला ने बालिका गरिमा के प्रकरण से मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा को अवगत कराया। इस पर डॉ. संजय मिश्रा ने तत्काल उपचार के संदर्भ में आवश्यक कार्यवाही करते हुए बच्चे को घमापुर के दुबे सर्जिकल हॉस्पिटल में रेफर किया। वहां पर 29 अगस्त 2023 को बालिका गरिमा की सर्जरी हॉस्पिटल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. गुंजन दुबे व टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई, जिससे गरिमा को नया जीवन मिल सका।